बुंदेली लोक

बुन्देलखण्ड : प्रकृति और पुरूष

प्रो. प्रेमनारायण रूसिया
अभिनंदन ग्रंथ

Scanned with OKEN Scanner

[redacted]

समीक्ष. [redacted]

१९-८-२००३

बुन्देलखण्ड : प्रकृति और पुरुष

प्रो. प्रेमनारायण रूसिया अभिनंदन ग्रंथ

(अमृत महोत्सव के अवसर पर भेंट)

सम्पादक –

डॉ. कैलाश बिहारी द्विवेदी

पं. हरिविष्णु अवस्थी

पं. गुणसागर सत्यार्थी

प्रकाशक

प्रो. प्रेमनारायण रूसिया अभिनंदन समारोह समिति

टीकमगढ़ (म.प्र.)

Bundelkhand : Prakriti Aur Purush
Prof. P. N. Rusia Abhinandan Granth
Rs. : 500/-

© प्रो. प्रेम नारायण रूसिया अभिनंदन समारोह समिति टीकमगढ़ (म.प्र.)

ग्रंथ प्रयोजन समिति -

अध्यक्ष	-	डॉ. कैलाश बिहारी द्विवेदी	-	टीकमगढ़
सचिव	-	पं. हरिविष्णु अवस्थी	-	टीकमगढ़
कोषाध्यक्ष	-	पं. गुणसागर सत्यार्थी	-	कुण्डेश्वर
संयोजक	-	पं. हरगोविन्द त्रिपाठी 'पुष्प'	-	टीकमगढ़
सदस्य	-	श्री एस. पी. श्रीवास्तव	-	सतना
सदस्य	-	श्री प्रभुशरण श्रीवास्तव	-	टीकमगढ़
सदस्य	-	श्री दामोदर जैन	-	भोपाल
सदस्य	-	श्रीमती शिवकली रूसिया	-	टीकमगढ़
सदस्य	-	पं. सरजू प्रसाद शर्मा	-	छतरपुर

प्रकाशन वर्ष - 2002

सहयोग राशि - रू. 500/-

शब्द संयोजन -
1. इंडियन कम्प्यूटर्स, कटरा बाजार, टीकमगढ़ (म.प्र.)
2. तैलंग कम्प्यूटर्स, तहसील प्रांगण, टीकमगढ़ (म.प्र.)

मुद्रक - **इण्डियन ऑफसेट प्रिन्टर्स** 136, विवेकानन्द मार्ग, इलाहाबाद - 211003

वितरक - **अल्पना प्रकाशन** 180/28 A पुराना अल्लापुर, इलाहाबाद - 211006

Scanned with OKEN Scanner

सम्पादकीय

श्री प्रेमनारायण रूसिया शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रयोगधर्मा व्यक्ति हैं, इससे पहले हम यह कहना चाहेंगे कि वे भारतीय संविधान की धारा ४५ के प्रति अपनी सम्पूर्ण क्षमता और पूर्ण मनोयोग से समर्पित व्यक्ति हैं। उक्त धारा के अनुसार ६ से १४ वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य रूप से शिक्षा देकर दस वर्ष में देश के समस्त बालकों को शिक्षित करने का लक्ष्य था। इसके लिए सरकारों द्वारा अपनाये जाने वाले किसी भी उपाय से अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं हो रही थी।

इस लक्ष्य की ओर तेज गति से अग्रसर होने के लिए रूसिया जी एकाग्र भाव से चिन्तित रहे हैं। चूंकि रूसिया जी के जीवन का प्रारम्भ भी शिक्षा-वंचित किशोर के रूप हुआ था। भले ही दुकान के नोंन-तेल का हिसाब रखने योग्य शिक्षा उन्हें मिल चुकी थी। यद्यपि परिवार के हिसाब से रूसिया जी का मिडिल पास कर लेना आवश्यकता से अधिक था लेकिन उनकी विद्या-पिपासा को शान्त करने के लिए बिल्कुल ही अपर्याप्त था। मिडिल पास करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने तक उन्हें जिस प्रकार संघर्ष, अध्यवसाय और स्वाध्याय करना पड़ा उससे उन्हें समाज की शिक्षा के प्रति अरुचि, जो शिक्षा प्राप्त करना भी चाहें उन्हें उचित शैक्षिक सुविधाओं का अभाव, शिक्षा के समस्त अवरोधक तत्वों और शिक्षा के महत्व को निकट से पहचानने का मौका मिला था। इसलिए उनका जो भी शैक्षिक चिन्तन रहा है उसके परिप्रेक्ष्य में सदैव ये बातें रही हैं।

इन सारी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संविधान की मंशा को पूर्ण करने की दिशा में कब क्या किया जा सकता है? इस चिन्तन के फलस्वरूप उनके मस्तिष्क से 'भैंस की पीठ पर पाठशाला'; जिसको आगे चलकर औपचारिकेतर शिक्षा योजना का रूप मिला और पूरे देश के लिए म.प्र. मॉडल के रूप में मान्यता मिली के अतिरिक्त अनेक योजनाएँ निकलीं (ग्रंथ के खण्ड एक के लेखों में इनका विस्तृत परिचय प्राप्त है।)। जब तक सरकार और अधिकारियों का उचित सहयोग मिलता रहा तब तक रूसिया जी को उन योजनाओं को क्रियान्वित करने का अवसर मिलता रहा। उनकी सफलता भी सामने आई और ज्योंही सरकार और अधिकारियों का खानापूर्ति वाला ढर्रा चलने लगा त्योंही योजनाओं के परिणाम धूमिल पड़ने लगे और वे बस्तों में सिमटती गयीं।

यद्यपि रूसिया जी ने सेवा-काल में इस सत्य को स्वीकार करने से इंकार किया। हो सकता है उन्हें भविष्य में इन्हें पुनः स्फूर्त और जीवन्त करने की आशा हो। यह भी हो सकता है कि योजनाओं के परिणामों के धूमिल होने से उन्हें अपने व्यक्तित्व के धूमिल होने का भय हो, शासकीय पद की सीमाएँ भी हो सकती हैं। जो भी हो, लेकिन अधिकारियों की अरुचि और उपेक्षा का दर्द उनके एक लेख- 'का पै करों सिंगार, बलम मोरौ आँधरौ' से स्पष्ट झलकता है। सेवा निवृत्त होने पर टीकमगढ़ ब्लॉक में संस्कार भारती के प्रोजेक्ट डायरैक्टर की हैसियत से उन्होंने टीकमगढ़ ब्लॉक के ६ से १४ वर्ष आयु वर्ग के शत प्रतिशत बच्चों को शिक्षित करने के लिए ब्लॉक की सम्पूर्ण परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में 'मांइक्रो प्लान' बनाया था, उसके ऐकनॉलेजमैण्ट में उन्होंने चार दशकों में भी संविधान के लक्ष्य प्राप्त न होने के कारणों और हवाई योजनाकारों की खुली पहचान की है। उन्हीं के शब्दों में-

On the basis of my long experience of more than 25 years in the Department of Edu. of M.P. the period during which I remained incharge of the various programmes meant for providing education to the working children of the disadvantaged group of society, I have come to a firm conviction that the approach as having been adopted till now in respect of formulation of educational plans in our country, have been far from beeing realistic and result oriented. The reason being that the persons involved in framing educational policies are those, who have little to do with the needs and problems of the children of the disadvantaged groups. Their approach towards solving the problems of such children is absolutely hypothetical. Consequently we find a vast gap between our plans and the achievements.

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

खण्ड - एक

(रूसिया जी का जीवन वृत्त और कृतित्व)

			पृष्ठ क्र.
१.	श्रद्धा सुमन	शील चंद्र जैन	१
२.	प्रेम पगे नारायण रस में	स्व. श्रीमती मिथलेश पाठक	२
३.	क्या कहूँ ? क्या न कहूँ ?	प्रेमनारायण रूसिया	३
४.	शिक्षाविद् प्रो. प्रेमनारायण रूसिया की पारिवारिक पृष्ठभूमि	पं. मुरलीधर शर्मा	१२
५.	रूसिया जी : कुछ आत्मीय प्रसंग	प्रेमचन्द गुप्ता (मिसुरिहा)	१४
६.	मेरे पति मेरे देवता	श्रीमती शिवकली रूसिया	१५
७.	दादा जी	प्रभाकर रूसिया	१८
८.	जिसने अपने प्रान्त को अपना कृतित्व सौंप दिया	डॉ. नर्मदा प्रसाद गुप्त	२०
९.	प्रो. रूसिया मेरी दृष्टि में	डॉ. परमलाल गुप्त	२१
१०.	एक अनोखा व्यक्तित्व श्री प्रेमनारायण रूसिया	डॉ. दुर्गेश दीक्षित	२३
११.	बुंदेलखण्ड की संस्कृति के ताल दरवाजा प्रहरी श्री प्रेमनारायण जी रूसिया	पं. प्रभुदयाल मिश्र	२५
१२.	सतत् सक्रिय चैत्य पुरुष-श्री पी. एन. रूसिया	अशोक कुमार श्रीवास्तव	२६
१३.	शिक्षाविद् प्रेमनारायण रूसिया	डॉ. गार्गीशरण मिश्र	२८
१४.	बंधुवर प्रेमनारायण रूसिया ' जैसा उन्हें मैंने जाना	पं. वीरेन्द्र शर्मा 'कौशिक'	२९
१५.	प्रेरक प्रसंग बाल सखा के	शंभु दयाल अग्रवाल	३२
१६.	अतीत की स्मृतियाँ	पं. कुंज बिहारी भौंड़ेले	३६
१७.	मेरी पहली पाठशाला	दिनेश कुमार रूसिया	३७
१८.	जिन पर मुझे गर्व है मेरे मित्र श्री रूसिया जी	डॉ. रमेश शरण रावत	३९
१९.	अंतर	डॉ. जे. एस. चौहान	४०
२०.	रूसिया जी जन्मे वहाँ जहाँ भगवान घर-घर जाते हैं	जगदीश मोदी	४१
२१.	शिक्षक से शिक्षा शास्त्री : प्रेमनारायण रूसिया	के. एस. खरे, पं. गुणसागर सत्यार्थी एन. डी. सोनी	४३

Scanned with OKEN Scanner

२२.	रूसिया जी : नौ बजे अशोक तले मिलेंगे	पं. गुणसागर सत्यार्थी	४६
२३.	नयी तालीम के प्रयोग धर्मी भाई श्री रूसिया जी	एस. पी. श्रीवास्तव	५६
२४.	विद्या का प्रेम मार्ग	जगमोहन सिंह राजपूत	६४
२५.	एक अनूठा व्यक्तित्व आचार्य प्रेमनारायण रूसिया	डॉ. जी. चौरसिया	६६
२६.	रूसिया जी के पीठ पीछे	डॉ. कैलाश बिहारी द्विवेदी	६८
२७.	एक आदर्श स्काउट श्री प्रेमनारायण रूसिया	पं. सरजू प्रसाद शर्मा	७२
२८.	मेरी दृष्टि में प्रो. रूसिया	बी. डी. खरे	७४
२९.	प्रो. रूसिया मेरी दृष्टि में	पं. नन्दराम द्विवेदी	७६
३०.	बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी श्री प्रेमनारायण रूसिया	डॉ. रामप्रसाद पाण्डेय	७९
३१.	अधिकारी नहीं मार्गदर्शक थे वे	जी. पी. गुप्ता	८०
३२.	आँखन देखी	डॉ. सी. एल. मिश्रा	८१
३३.	मध्यप्रदेश में 'पढ़ो और कमाओ' योजना और श्री पी. एन. रूसिया	एन. डी. सोनी	८३
३४.	निर्माण के प्रणेता श्री पी. एन. रूसिया	जय कुमार जैन 'निशान्त'	८६
३५.	प्रयोजनारूपी गंगा के भगीरथ : मेरे प्रेरक श्री रूसिया जी	पं. सुरेन्द्र नाथ दुबे	८७
३६.	रूसिया जी का व्यक्तित्व	ठाकुर लोकेन्द्र सिंह नागर	८८
३७.	आहुति : जिला दान यज्ञ में	पं. गुणसागर सत्यार्थी	८९
३८.	असाधारण आयोजन क्षमता वाले जमीनी शिक्षाविद् श्री पी. एन. रूसिया	डॉ. डी. पी. खरे	९३
३९.	वह सानिध्य सुख	पं. बालकृष्ण तिवारी	९५
४०.	एक प्यारा झूठ	पं. सुधाकर शर्मा	९७
४१.	श्री प्रेमनारायण जी रूसिया : मेरी दृष्टि में	अवध बिहारी खरे	९८
४२.	पारखी दृष्टि बनाम श्री रूसिया जी	स्व. पीर मोहम्मद सिद्दीकी	१००
४३.	अध्यापन विकास के प्रेरक श्री प्रेमनारायण रूसिया	पं. जुगल किशोर चतुर्वेदी	१०२
४४.	भैंस भूत और रूसिया जी	पी. एल. खत्री	१०३
४५.	एक वायवी संपर्क	रामसेवक नायक	१०४
४६.	Mr. P. N. Rusia A Born Teacher	Pt. Chandra Mauleshwar Pathak	१०५
४७.	श्री पी. एन. रूसिया से साक्षात्कार	दामोदर जैन, रामगोपाल रैकवार	१०६
४८.	एक आत्मीय संस्मरण	मातादीन लोहकार	१०९
४९.	किरायेदार	श्री विपिन रूसिया	११०

Scanned with OKEN Scanner

			पृष्ठ क्र.
५०.	रूसिया जी की लगन और कर्तव्यनिष्ठा	जुगल किशोर गुप्ता	११२
५१.	रूसिया जी और मध्यप्रदेश मॉडल	एन. डी. सोनी	११३
५२.	एक संस्मरण	पं. राधा रमन तिवारी	११४
५३.	रूसिया जी का झनका-मनका	जी. पी. गुप्ता	११५
५४.	गुणवत्ता	....	११६
५५.	क्षमादान	पी. के. आहूजा	११७
५६.	श्री रूसिया एक कर्मठ व्यक्तित्व	डॉ. अमरनाथ कौल अदालती	११९
५७.	माइक्रोप्लानिंग और श्री रूसिया जी	प्रभूशरण श्रीवास्तव	१२१
५८.	श्री रूसिया किशोरावस्था के संघर्ष	श्रीमति कांति गुप्ता	१२५
५९.	यादें श्री पी. एन. रूसिया के साथ बीते क्षणों की	दुर्गा प्रसाद आर्य	१२७
६०.	छुट्टियों में भी टाट पट्टी बनाने की अनुमति	दिनेश रूसिया	१२९
६१.	शिक्षा मंत्री द्वारा सीहोर केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण	हरगोविन्द त्रिपाठी 'पुष्प'	१३०
६२.	श्री रूसिया जी कर्मपथ पर भाग - १	....	१३२
६३.	श्री रूसिया जी कर्मपथ पर भाग - २	....	१३७
६४.	श्री रूसिया जी कर्मपथ पर भाग - ३	....	१४७
६५.	रूसिया जी की लेखकीय क्षमता	....	१५६
६६.	पनघट योजना का बान्द्राभान में सफल परीक्षण	डॉ. कैलाश बिहारी द्विवेदी	१६२
		पं. हरिविष्णु अवस्थी	
६७.	शैक्षिक रंगमंच : शिक्षा का एक नवाचार	....	१६५

खण्ड - दो

(बुन्देलखण्ड : प्रकृति और पुरुष)

			पृष्ठ क्र.
१.	गिरिराज विन्ध्याचल	प्रो. कृष्ण किशोर द्विवेदी	१६७
२.	बुन्देलखण्ड का भू तत्व	श्यामाचरण राय	१७०
३.	बुन्देलखण्ड का सरिता परिवार	शम्भु दयाल अग्रवाल	१७६
४.	बुन्देलखण्ड की भागीरथी : वेत्रवती	पं. वीरेन्द्र शर्मा "कौशिक"	१७९
५.	बुन्देलखण्ड की संस्कृति वाहिनी - दशार्ण	पं. हरिविष्णु अवस्थी	१८४
६.	बुद्धकाल का चेदि राष्ट्र ही बुन्देलखण्ड है	डॉ. शिवशंकर त्रिपाठी	१९४
७.	बुन्देलखण्ड में नाग शासकों का सांस्कृतिक वैभव	सुश्री डॉ. कृष्णा गुप्ता	१९७
८.	कालिंजर का कल्चुरी एवं चंदेला राजवंश	डॉ. एस. के. सुल्लेरे	२००
९.	बुन्देला इतिहास में कालिंजर	डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव	२०२
१०.	रंक से राजा बना बुन्देलखण्ड का धूम्रकेतु हिम्मत बहादुर गुसाईं	वीरेन्द्र बहादुर खरे	२०३
११.	पेशवा बाजीराव और मस्तानी	डॉ. राजकुमार भाटिया	२१०
१२.	बुन्देलखण्ड की ऐतिहासिक महिला रत्न	श्रीमती सुधारानी श्रीवास्तव	२१४
१३.	वीरांगना महारानी राजो	दिनेश प्रकाश रिछारिया	२२०
१४.	रानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व उनके पत्रों में	पं. उदय शंकर दुबे	२२२
१५.	महारानी लक्ष्मीबाई के वकील : बैरिस्टर जानलैंग का झांसी आगमन	ओम शंकर 'असर'	२२५
१६.	बुन्देलखण्ड का स्वाधीनता आन्दोलन में योगदान	प्रो. हनुमन्त सिंह चौहान	२३१
१७.	अठारह सौ सन्तावन-अन्ठावन की क्रान्ति स्थली मऊरानीपुर	भगवान दास श्रीवास्तव	२३२
१८.	दतिया रियासत की इतिहास लेखन परम्परा	डॉ. श्याम बिहारी श्रीवास्तव	२३७
१९.	दतिया जिला परिचय के सन्दर्भ	डॉ. कामिनी	२४१
२०.	चिरगाँव - अंचल का ऐतिहासिक परिवेश	मदन मोहन वैद्य	२४३
२१.	बुन्देलखण्ड का वैभव	पं. मुरलीधर शर्मा	२४६
२२.	बुन्देलखण्ड की विशिष्ट पुरा सम्पदा	डॉ. आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव	२४८
२३.	बुन्देलखण्ड की पुरा सम्पदा	डॉ. हरीमोहन पुरवार	२५०
२४.	देवगढ़ के शिला लेख एवं संक्षिप्त विवेचन	डॉ. ओमप्रकाश लाल श्रीवास्तव	२५४
२५.	प्राचीन राजधानी ऐरिच की जनपदीय मुद्राएँ	डॉ. मोहनलाल गुप्त 'चातक'	२५६

Scanned with OKEN Scanner

पृष्ठ क्र.

२६.	बुन्देलखण्ड के किले	डॉ. के. पी. त्रिपाठी	२५८
२७.	बुन्देलखण्ड में पाषाण मूर्ति शिल्प की परम्परा तथा भावी चुनौतियां	डॉ. जवाहरलाल द्विवेदी	२६४
२८.	चित्रकूट के दर्शनीय स्थल	डॉ. ओमकार प्रसाद त्रिपाठी	२६६
२९.	ग्राम अचट्ट और उसकी पुरा सम्पदा	पं. रामरतन अवस्थी	२७०
३०.	जैन कला एवम् संस्कृति का दर्पण साहू शांति प्रसाद जैन कला संग्रहालय खजुराहो	प्रो. ज्योति प्रकाश सक्सेना	२७३
३१.	टीकमगढ़ जिले के सूर्य मंदिर	डॉ. सुरेश तिवारी	२७५
३२.	भारत में रावण का स्मारक - लंका मीनार	अयोध्या प्रसाद गुप्त 'कुमुद'	२७७
३३.	कुम्हैड़ी का एक अद्वितीय शिव संग्रह	पं. भुवनेश्वर उपाध्याय	२८०
३४.	ओरछा का वास्तु वैभव	पं. उमाशंकर पाठक	२८२
३५.	बानपुर : बीता वैभव	पं. हरिविष्णु अवस्थी पं. नरेन्द्र नारायण शर्मा	२८७
३६.	एक वैभवशाली नगर चरखारी	पं. आलोक द्विवेदी	२९१
३७.	महामति प्राणनाथ	पं. जगदीश प्रसाद रावत	२९४
३८.	श्री पीताम्बरा पीठ दतिया और उसके संस्थापक ब्रह्मलीन राष्ट्रगुरु अनन्त श्री स्वामी जी महाराज	प्रेमनारायण सिलारपुरिया	२९८
३९.	रानी कमल कुँवरि	पं. उदयशंकर दुबे	३०२
४०.	रायप्रवीन	पं. रामसेवक रिछारिया	३०३
४१.	बुन्देली संस्कृति की पड़ताल : राय प्रवीण के बहाने	वीरेन्द्र बहादुर खरे	३०६
४२.	अज्ञात रचनाकार माधौसिंह बुन्देला	डॉ. कुंजीलाल पटेल 'मनोहर'	३०८
४३.	बुन्देलखण्ड के प्रख्यात लोककवि "ईसुरी"	पं. राकेश अग्निहोत्री	३१२
४४.	गुरुवर श्री गणपति प्रसाद जी चतुर्वेदी	स्व. श्याम सुन्दर दास बादल	३१४
४५.	साहित्य-सागर के हंस स्व. परमानंद सुहाने	डॉ. गंगाप्रसाद बरसैंया	३१८
४६.	लोक चेतना के गायक पं. गंगाधर व्यास	डॉ. किशोरी लाल	३२२
४७.	बुन्देलखण्ड को पं. बनारसीदास चतुर्वेदी की देन	डॉ. कालीचरण "स्नेही"	३२५
४८.	बहुमुखी प्रतिभा के धनी पं. बनारसीदास चतुर्वेदी	पं. शिवकुमार तिवारी	३३०
४९.	राष्ट्रीय चेतना के अनूठे उपन्यासकार डॉ. वृन्दावन लाल वर्मा	जानकी शरण वर्मा	३३१
५०.	वियोगी हरि	पं. श्री निवास शुक्ल	३३४

Scanned with OKEN Scanner

पृष्ठ क्र.

५१.	कवि केदारनाथ अग्रवाल की काव्यदृष्टि	डॉ. प्रेमलता	३३८
५२.	ठाकुर लक्ष्मण सिंह चौहान : चोर को भगाने के लिए चिल्लाहट	डॉ. कान्ति कुमार जैन	३४४
५३.	केशव प्रसाद पाठक : एक अभिशप्त रत्न	डॉ. कान्ति कुमार जैन	३४६
५४.	बुन्देलधरा के विस्मृत कवि : स्व. पन्नालाल 'रसिक'	श्रीमती मणिकंचन शर्मा	३५३
५५.	बुन्देलखण्ड के अलमबरदार : स्व. भगवती प्रसाद निगम	डॉ. कैलाश बिहारी द्विवेदी	३५७
५६.	विजय तैलंग : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	डॉ. शोभना जैन	३६०
५७.	बीसवीं सदी के लोकनायक महान क्रान्तिकारी पंडित परमानन्द जी	विष्णु देव खरे	३६३
५८.	अमर शहीद नारायण दास खरे	किशोरी शरण खरे	३७०
५९.	सरलता सादगी एवं कर्मठता के आदर्श पुरुष : बाबू प्रेमनारायण खरे	सुरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव	३७४
६०.	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. डॉ. सीताराम भास्कर भागवत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	डॉ. चन्द्रशेखर भागवत	३७५
६१.	स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी श्री रामसेवक रिछारिया	मेघराजसिंह कुशवाहा	३७५
६२.	बुन्देलखण्ड का गौरव महाबली गामा	प्रो. पी. आर. शुक्ल	३८१
६३.	बुन्देलखण्ड में पाटी शिक्षा परम्परा	पं. गुलाब चन्द्र पुष्प	३८५
६४.	एक प्राचीन विद्या केन्द्र - सनकेश्वर क्षेत्र सेंवढ़ा	आचार्य गंगाराम शास्त्री	३८८
६५.	मूरति श्री नंद नंदन की है......	पं. व्योमकेश	३९०
६६.	बुन्देलखण्ड : शिक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक सम्भावनामय भूलोक	डॉ. जी. सी. भट्टाचार्य	३९१
६७.	बुन्देलखण्ड में पर्यटन विकास की सम्भावनायें	पं. संतोष कुमार तिवारी	३९६
६८.	बुन्देलखण्ड की कुछ प्रमुख वनौषधियाँ	डॉ. चन्द्रशेखर भागवत	३९८
६९.	बुन्देली लोक साहित्य में लोकोपचार	सौ. प्रभा रावत	४०१
७०.	लोक स्वास्थ्य एवं लोकोपचार	अजीत श्रीवास्तव	४०५
७१.	बुन्देलखण्ड का अमृत 'तीसरौ धोंउन'	डॉ. कृष्ण प्रकाश 'आनंद'	४०६
७२.	बुन्देली का मानकीकरण	डॉ. कैलाश बिहारी द्विवेदी	४१०
७३.	चन्देल राजाओं का साहित्यानुराग	डॉ. एस. पी. सिंह	४१५
७४.	झांसी जनपद की साहित्यिक परम्परा	राम प्रकाश गुप्त	४१८

Scanned with OKEN Scanner

			पृष्ठ क्र.
७५.	बुन्देलखण्ड में हिन्दी साहित्य की श्री वृद्धि में छतरपुर जिले का अवदान	पं. हरिविष्णु अवस्थी	४२१
७६.	बुन्देल भूमि पर राम भक्ति में रसिक संप्रदाय	डॉ. लक्ष्मी नारायण गुप्त 'विश्वबंधु'	४२६
७७.	बुन्देली साहित्य में वीर रस	डॉ. कृष्णानन्द हुण्डैत	४३५
७८.	कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय में आल्हा पर शोध कार्य	पं. उदय शंकर दुबे	४४१
७९.	यशोधरा : नारी चेतना का दस्तावेज	डॉ. सुधा गुप्ता	४४२
८०.	अमान सिंह कौ राछरौ : एक वीरगाथा	जानकी शरण वर्मा	४४५
८१.	बुन्देलखण्ड के सोहर गीत	डॉ. (श्रीमती) गायत्री बाजपेयी	४४८
८२.	बुन्देली लोक संस्कृति-आधार और आयाम	सुरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव	४५२
८३.	बुन्देली लोक संस्कृति का बदलता स्वरूप	डॉ. बहादुर सिंह परमार	४५५
८४.	विलुप्त होती संस्कृति अस्तित्व खोता बुंदेलखंड	राधाकृष्ण बुन्देली	४५८
८५.	बुन्देलखण्ड के लोकाचार	अयोध्याप्रसाद गुप्त 'कुमुद'	४६०
८६.	बुन्देलखण्ड के लोक देवता	पं. बाबूलाल द्विवेदी 'मानस मधुप'	४६३
८७.	शिव स्वरूप, नीलकण्ठ - लाला हरदौल जू देव	डॉ. राधेश्याम द्विवेदी	४६६
८८.	लोकदेवी बीजासेन की पूजा का रहस्य	आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल	४७३
८९.	बुन्देली लोक नाट्य स्वांग	डॉ. नर्मदा प्रसाद गुप्त	४७७
९०.	बुन्देली बालाओं का प्रिय खेल - चपेटा	सुश्री रामकिशोरी गुप्ता	४८४
९१.	चपेटा (कविता)	डॉ. ए. के. जड़िया	४८६
९२.	बुन्देली लोक कला एवं शिल्प	डॉ. ब्रजेश चन्द्र जोशी	४९०
९३.	बुन्देलखण्ड में मान का प्रतीक पान	रमेश शंकर सक्सेना	४९५
९४.	बुन्देलखण्ड के मेले	पं. शिव सहांय दीक्षित	४९८
९५.	आई दिवारी पावनी	जगन्नाथ प्रसाद 'सुमन'	५०२
९६.	बुन्देलखण्ड के खान पान	सुश्री गीता शर्मा	५०५
९७.	बुन्देलखण्ड में खाद्य संरक्षण एवं प्रसंस्करण	रामगोपाल रैकवार	५०६

***

Scanned with OKEN Scanner

श्री रूसिया जी की धर्मपत्नी
श्रीमती शिवकली रूसिया युवावस्था में

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner